सबगुरु डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म
फेसबुक पेज लिंक
https://www.facebook.com/sabgurunews/
वेबसाइट लिंक
https://www.sabguru.com/
यूट्यूब चैनल लिंक
https://www.youtube.com/channel/UCCcLf90UP-prqTinNwqUXZg/
English Article Link:
https://www.sabguru.com/en/the-role-of-dopamine-understanding-the-feel-good-hormone/

SABGURU NEWS

पो.रजि. नं. आरजे/एजे/211/2025-27

PRGI. No. RAJBIL/2023/88629

सबगुरु न्यूज

(राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक)

मो.9887907277 Email ID sabgurunews@gmail.com Website https://www.sabguru.com

सम्पादक - विजय सिंह

खबरों के लिए स्कैन करें

वर्ष 3 | अंक 15 | अजमेर, रविवार 25 जनवरी 2026 | मूल्य 5 रुपए | पृष्ठ-4

बांग्लादेश टी-20 विश्वकप से बाहर, उनकी जगह खेलेगा स्कॉटलैंड

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शनिवार को बांग्लादेश के अड़ियल रवैये पर सख्त रुख अख्तियार करते हुए सात फरवरी से भारत और श्रीलंका की मेजबानी में होने वाले टी-20 विश्वकप में उसकी जगह स्कॉटलैंड को ग्रुप सी में शामिल करने की आधिकारिक घोषणा कर दी।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के मुख्य कार्यकारी संजोग गुप्ता ने बोर्ड को औपचारिक रूप से पत्र लिखा कि बांग्लादेश की मांगें बोर्ड की पॉलिसी के हिसाब से नहीं है। बोर्ड के सभी सदस्यों को लिखे गए इस पत्र में गुप्ता ने बताया कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) आईसीसी बोर्ड के फैसले का पालन नहीं कर रहा था और इस बड़े इवेंट के लिए बांग्लादेश की जगह किसी दूसरे देश, इस मामले में स्कॉटलैंड को बुलाने के अलावा कोई और रास्ता नहीं था। इस पत्र की कॉपी बीसीबी के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम को भी भेजी गई है, जो आईसीसी बोर्ड के सदस्य हैं।उन्होंने क्रिकेट स्कॉटलैंड को भी लिखा और उन्हें भारत और श्रीलंका में होने वाली

चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए औपचारिक न्योता भेजा। क्रिकबज ने क्रिकेट स्कॉटलैंड की मुख्य कार्यकारी टुडी लिंडब्लेड से संपर्क किया। उनकी ओर से कोई तुरंत जवाब नहीं मिला, लेकिन वेबसाइट को पता चला है कि शनिवार सुबह दुबई और एडिनबर्ग के बीच हॉटलाइन शुरू हो गई थीं।क्रिकेट की वर्ल्ड गवर्निंग बॉडी ने बांग्लादेश को भारत में खेलने के अपने रुख पर विचार करने का समय दिया था और मुख्य कार्यकारी गुप्ता लगातार बीसीबी सदस्यों के साथ बातचीत कर रहे थे। आईसीसी नहीं चाहता था कि ऐसा कोई खतरनाक उदाहरण बने जहां कोई सदस्य मैचों को दूसरी जगह कराने की मांग करे। आईसीसी ने स्पष्ट कर दिया था कि वह विश्व कप प्रतियोगिता की पवित्रता की रक्षा करना चाहता है।स्कॉटलैंड अपने प्रदर्शन के आधार पर मौजूदा रैंकिंग में 14वें नंबर है और इसी लिए उसे विश्वकप में जगह मिली है। स्कॉटलैंड अब टूर्नामेंट के शुरूआती स्टेज में ग्रुप सी में होगा और कोलकाता में वेस्टइंडीज (7 फरवरी), इटली (9 फरवरी) और इंग्लैंड (14 फरवरी) के खिलाफ खेलेगा, जिसके बाद वह मुंबई जाकर 17 फरवरी को नेपाल से भिड़ेगा।

'मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार' योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

जयपुर। राजस्थान में प्रदेश के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हाल में राज्य सरकार द्वारा लागू की गयी 'मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना' के तहत आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई हैं। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल ने बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए प्रदेश के युवा स्वयं की एसएसओ आईडी और ई-मित्र के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गत 12 जनवरी को इस योजनाका शुभारंभ किया था और विभाग ने त्वरित गति से कार्य करते हुए 15 जनवरी को इसकी विस्तृत गाइडलाइन जारी कर दी और अब आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई साथ ही सभी जिला महाप्रबंधकों को इस योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए अधिक से अधिक युवाओं को लाभान्वित करने के निर्देश दिए गए हैं।अग्रवाल ने बताया कि योजना का उद्देश्य प्रदेश के एक लाख युवाओं को स्वयं का उद्योग स्थापित करने में आर्थिक सहायता प्रदान करना है। इसके तहत विनिर्माण, सेवा एवं व्यापार सेक्टर में सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के लिए 10 लाख रुपए तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा शत प्रतिशत ब्याज का पुनर्भरण किया जाएगा। साथ ही 50 हजार रुपए तक की मार्जिन मनी और सूक्ष्म और लघु उद्यम क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई) शुल्क के पुनर्भरण का भी प्रावधान किया गया है।

उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त सुरेश कुमार ओला ने बताया कि योजना के तहत 8वीं से 12वीं कक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को सेवा एवं व्यापार क्षेत्र के लिए

3.5 लाख रुपए एवं मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए 7.5 लाख रुपए तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा साथ ही अधिकतम 35 हजार रुपए की मार्जिन मनी भी दी जाएगी। स्नातक, आईटीआई और अधिक शैक्षणिक योग्यता वाले आवेदकों को सेवा एवं व्यापार क्षेत्र के लिए पांच लाख रुपए तथा मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए 10 लाख रुपए तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही 50 हजार रुपए तक की मार्जिन मनी भी दी जाएगी।उन्होंने बताया कि एसएसओ आईडी के सिटीजन एप में उपलब्ध मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार (एमवाईएसवाई) आइकन पर क्लिक करने पर खुलने वाले फॉर्म से आवेदक अपना सामान्य विवरण, जिला, उद्योग का प्रकार, प्रस्तावित कार्यस्थल का पता, परियोजना का विवरण और आवश्यक दस्तावेज अपलोड करके सबमिट करना होगा। आवेदक को बैंक की जिस शाखा से ऋण लेना है, उसकी जानकारी भी फॉर्म में भरनी होगी। उन्होंने बताया कि जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र पर साप्ताहिक बैठक होगी, जिसमें इन आवेदनों पर चर्चा कर, उन्हें संबंधित बैंकों को भेज दिए जाएंगे।

बदरीनाथ धाम के कपाट इस वर्ष ग्रीष्मकालीन यात्रा के लिए 23 अप्रैल को खुलेंगे

देहरादून। भगवान विष्णु अर्थात बदरीनाथ धाम के कपाट आगामी ग्रीष्मकालीन यात्रा के लिए 23 अप्रैल को विधि-विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। शुक्रवार को वसंत पंचमी के अवसर पर धाम के कपाट खुलने की तिथि घोषित की गई।इससे पहले गुरुवार को डिम्मर से डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत के सदस्य गाडू घड़ा के साथ ऋषिकेश के लिए रवाना हुए। आज सुबह पुजारी गाडू घड़ा लेकर नरेंद्रनगर राज दरबार पहुंचे। यहां परंपरागत तरीके से भगवान बदरी विशाल धाम कपाटोद्घाटन की तिथि घोषित की गई।जिसके अनुसार भगवान बदरी विशाल के कपाट आगामी 23 अप्रैल को ब्रह्म मुहूर्त में 6:15 बजे खोले जाएंगे। जबकि गाडू घड़ा यात्रा सात अप्रैल को आरंभ होगी।

क्षेत्रपाल हॉस्पिटल समेत अजमेर के तीन अस्पतालों पर फजीर्वाड़े की गाज

अजमेर के तीन दर्जन से ज्यादा मेडिकल स्टोर भी ब्लॉक

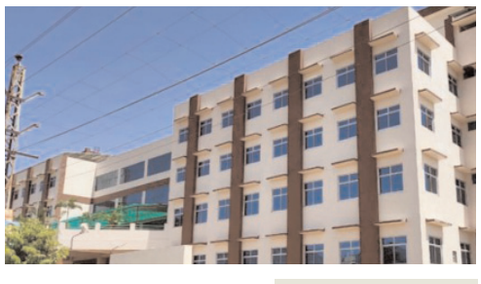

सन्तोष खाचरियावास

अजमेर। राजस्थान गवर्नमेंट हैल्थ स्कीम यानी आरजीएचएस (RGHS) के बिलों में फजीर्वाड़े के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। राज्य सरकार ने बिलों में हेरफेर और फर्जी भुगतान उठाने की मंशा से अन्य अनियमितता बरतने पर राज्य के कई प्राइवेट अस्पतालों और मेडिकल स्टोरों के खिलाफ जांच बैठाते हुए उन्हें ब्लॉक कर दिया है।इसका खामियाजा उन हजारों मरीजों को उठाना पड़ रहा है, जिनका उपचार इन अस्पतालों में जारी है। अब करनी उनकी भरनी इनकी...वाली स्थिति पैदा हो गई है। इन अस्पतालों में नियमित इलाज करा रहे मरीजों को अब यहां RGHS में इलाज नहीं देकर बैरंग लौटाया जा रहा है। इनमें अजमेर के तीन अस्पतालों समेत अजमेर के ही तीन दर्जन से ज्यादा मेडिकल स्टोरों को ब्लॉक कर दिया है।

अजमेर के ये अस्पताल

पंचशील नगर स्थित क्षेत्रपाल हॉस्पिटल, मेयो लिंक रोड स्थित जीना सीखो लाइफ केयर लिमिटेड, पीसांगन का श्रीश्याम हॉस्पिटल एंड डायग्नोस्टिक सेंटर।

ये मेडिकल स्टोर ब्लॉक

अजमेर की फर्म दौलतराम शिवचरण दास खंडेलवाल, जेएलएन अस्पताल रोड की कृष्णा मेडिकल हॉल, वैशाली नगर के आरके हॉस्पिटल, सुभाष उद्यान के पास श्री एसएस आयुर्वेदिक, माकड़वाली रोड स्थित आरना मेडिकल, माकड़वाली रोड स्थित जोनेन हैल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, क्रिश्चियन गंज स्थित आर्या मेडिकोज, आनासागर सर्क्युलर रोड स्थित आर्या मेडिकोज, पुष्कर रोड स्थित पारस मेडिकल एंड जनरल स्टोर, जेएलएन अस्पताल रोड स्थित निर्मला भार्गव की फर्म मेडिकोज, सावित्री स्कूल के सामने नित्या मेडिकल एंड जनरल स्टोर, नगीना बाग स्थित श्री राधे गोविंद मेडिकल्स, जेएलएन अस्पताल बजरंगगढ़ चौराहा स्थित बालाजी फार्मा एंड सर्जिकल्स, ज्ञान विहार स्थित गुप्ता मेडिकोज, रामगंज स्थित सुमित मेडिकल एंड जनरल स्टोर, डिग्गी चौक स्थित आनंद मेडिकल, वैशाली नगर जनता कॉलोनी स्थित चंद्रा मेडिकोज, घूघरा स्थित चौधरी मेडिकल एंड जनरल स्टोर, जेएलएन अस्पताल के पास हिन्द मेडिकल स्टोर, स्टेशन रोड स्थित दवादोस्त फार्मा प्राइवेट लिमिटेड, जीपीओ के सामने केशव सुभाष आयुर्वेदिक स्टोर, सेंट फ्रांसिस हॉस्पिटल के पास इंडियन मेडिकल्स, रूपनगढ़ के शुभलक्ष्मी मेडिकल स्टोर, मदनगंज किशनगढ़ स्थित श्री करणी मेडिकल स्टोर, मदनगंज किशनगढ़ की कृष्णा श्री मेडिकल्स, किशनगढ़ स्थित खन्ना मेडिकल्स, मदनगंज किशनगढ़ के किशनगढ़ मेडिकल्स, सराधना स्थित चौधरी मेडिकल एंड जनरल स्टोर, केकड़ी की कृष्णा मेडिकल स्टोर, केकड़ी के उपाध्याय मेडिकल एंड जनरल स्टोर, केकड़ी के वैध किशोरीलाल कृष्ण दत्त व्यास, केकड़ी की गोविंद मेडिकल एंड जनरल स्टोर, केकड़ी के राघव मेडिकल एंड जनरल स्टोर, केकड़ी के टांक मेडिकल एंड जनरल स्टोर, ब्यावर के गणपति मेडिकॉर्नर, ब्यावर की गुड लाइफ मेडिकल एंड जनरल स्टोर, बिजयनगर के रिषभ आयुर्वेदिक मेडिकल स्टोर, जालिया द्वितीय स्थित गुरुकृपा मेडिकल एंड जनरल स्टोर, जेठाना के अंकित मेडिकल स्टोर, पीसांगन के श्रीश्याम मेडिकोज और पीसांगन के ही गीता मेडिकल एंड जनरल स्टोर को ब्लॉक कर दिया है।

सम्पादकीय

प्रजातंत्र को वास्तविक गणतंत्र में बदलने की जरूरत

आजादी के लगभग 8 दशक पूरे करने के बाद भारतीय गणतंत्र एक ऐसे मुकाम पर है, जहाँ से उसे सिर्फ आगे ही जाना है। अपनी एकता, अखंडता और सांस्कृतिक व नैतिक मूल्यों के साथ पूरी हुई इन 8 दशकों की यात्रा ने पूरी दुनिया के मन में भारत के लिए एक आदर पैदा किया है। यही कारण है कि हमारे भारतवंशी आज दुनिया के हर देश में एक नई निगाह से देखे जा रहे हैं। उनकी प्रतिभा का आदर और मूल्य भी उन्हें मिल रहा है। हमें सोचना होगा कि आखिर हम उस सपने को कैसा पूरा कर सकते हैं जिसे पूरे करने के लिए सिर्फ कुछ साल बचे हैं। यानि 2047 में भारत को महाशक्ति और विश्वगुरु बनाने का सपना।आजादी के लड़ाई के मूल्य आज भले थोड़ा धुंधले दिखते हों या राष्ट्रीय पर्व औपचारिकताओं में लिपटे हुए, लेकिन यह सच है कि देश की युवाशक्ति आज भी अपने राष्ट्र को उसी जज्बे से प्यार करती है, जो सपना हमारे सेनानियों ने देखा था। आजादी की जंग में जिन नौजवानों ने अपना सर्वस्व निछावर किया, वही ललक और प्रेरणा आज भी भारत के उत्थान के लिए नई पीढ़ी में दिखती है। हमारे प्रशासनिक और राजनीतिक तंत्र में भले ही संवेदना घट चली हो, लेकिन आम आदमी आज भी बेहद ईमानदार और नैतिक है। वह सीधे रास्ते चलकर प्रगति की सीढ़ियाँ चढ़ना चाहता है। यदि ऐसा न होता तो विदेशों में जाकर भारत के युवा सफलताओं के इतिहास न लिख रहे होते। जो विदेशों में गए हैं, उनके सामने यदि अपने देश में ही विकास के समान अवसर उपलब्ध होते तो वे शायद अपनी मातृभूमि को छोड़ने के लिए प्रेरित न होते। बावजूद इसके विदेशों में जाकर भी उन्होंने अपनी प्रतिभा, मेहनत और ईमानदारी से भारत के लिए एक ब्रांड एंबेसेडर का काम किया है। यही कारण है कि साँप, सपेरों और साधुओं के रूप में पहचाने जाने वाले भारत की छवि आज एक ऐसे तेजी से प्रगति करते राष्ट्र के रूप में बनी है, जो तेजी से अपने को एक महाशक्ति में बदल रहा है। आर्थिक सुधारों की तीव्र गति ने भारत को दुनिया के सामने एक ऐसे चमकीले क्षेत्र के रूप में स्थापित कर दिया है, जहाँ व्यवसायिक विकास की भारी संभावनाएं देखी जा रही हैं। यह अकारण नहीं है कि तेजी के साथ भारत की तरफ विदेशी राष्ट्र आकर्षित हुए हैं। बाजारवाद के हो-हल्ले के बावजूद आम भारतीय की शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक स्थितियों में व्यापक परिवर्तन देखे जा रहे हैं। ये परिवर्तन आज भले ही मध्यवर्ग तक सीमित दिखते हों, इनका लाभ आने वाले समय में नीचे तक पहुँचेगा।भारी संख्या में युवा शक्तियों से सुसज्जित देश अपनी आंकाक्षाओं की पूर्ति के लिए अब किसी भी सीमा को तोड़ने को आतुर है। युवाशक्ति तेजी के साथ नए-नए विषयों पर काम कर रही है, जिसने हर क्षेत्र में एक ऐसी प्रयोगधर्मी और प्रगतिशील पीढ़ी खड़ी की है, जिस पर दुनिया विस्मित है। सूचना प्रौद्योगिकी, फिल्में, कृषि और अनुसंधान से जुड़े क्षेत्रों या विविध प्रदर्शन कलाएँ हर जगह भारतीय प्रतिभाएँ वैश्विक संदर्भ में अपनी जगह बना रही हैं। शायद यही कारण है कि भारत की तरफ देखने का दुनिया का नजरिया पिछले एक दशक में बहुत बदला है। ये चीजें अनायास और अचानक घट गईं हैं, ऐसा भी नहीं है। देश के नेतृत्व के साथ-साथ आम आदमी के अंदर पैदा हुए आत्मविश्वास ने विकास की गति बहुत बढ़ा दी है। भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता की तमाम कहानियों के बीच भी विश्वास के बीज धीरे-धीरे एक वृक्ष का रूप ले रहे हैं।कई स्तरों पर बंटे समाज में भाषा, जाति, धर्म और प्रांतवाद की तमाम दीवारें हैं। कई दीवारें ऐसी भी कि जिन्हें हमने खुद खड़ा किया है और हमारा बुरा सोचने वाली ताकतें उन्हें संबल दे रही हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रश्न पर भी जब देश बँटा हुआ नजर आता है, तो कई बार आम भारतीय का दुख बढ़ जाता है। घुसपैठ की समस्या भी एक ऐसी समस्या है जिससे लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। किसी तरह भी वोट बैंक बनाने और सत्ता हासिल करने की होड ने तमाम मूल्यों को शीर्षासन करा दिया है।

मोदी ने रोजगार मेले में 61,000 से अधिक युवाओं को प्रदान किए नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को यहां रोजगार मेले में देश के 61,000 से अधिक युवाओं को सरकारी सेवाओं के नियुक्ति पत्र प्रदान किए और समारोह को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि भारत दुनिया की एकमात्र बड़ी अर्थव्यवस्था है जिसने एक दशक में अपनी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को दोगुना किया है।मोदी ने इन नियुक्ति पत्रों को नेशन बिल्डिंग इनविटेशन लेटर और विकसित भारत के निर्माण को गति देने वाला संकल्प पत्र करार देते हुए कहा कि वर्ष 2026 का यह आरंभ युवाओं के जीवन में नई खुशियों और नई वसंत की शुरूआत लेकर आया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि युवाओं को कौशल से जोड़ना और उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर देना सरकार की प्राथमिकता रही है। उन्होंने बताया कि सरकारी भर्तियों को मिशन मोड पर करने के लिए शुरू किया गया रोजगार मेला अब एक संस्थान बन चुका है, जिसके जरिए लाखों युवाओं को विभिन्न विभागों में नियुक्तियां मिली हैं। आज देश के 40 से अधिक स्थानों पर यह मेला आयोजित

किया जा रहा है, जहां से युवा शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और वित्तीय सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपनी सेवाएं शुरू करेंगे।देश की आर्थिक प्रगति का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा पिछले 10 वर्षों की तुलना में भारत में ढाई गुना से अधिक विदेशी निवेश आया है, जिसका सीधा अर्थ यह हुआ कि देश में युवाओं के लिए रोजगार के अनगिनत अवसर हैं। प्रधानमंत्री ने इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में छह गुना वृद्धि और ऑटो उद्योग की तेज प्रगति का उदाहरण देते हुए कहा कि 2025 में दो पहिया वाहनों की बिक्री दो करोड़ के पार पहुंचना देश की बढ़ती क्रय शक्ति को दशार्ता है।नारी शक्ति के बढ़ते योगदान पर प्रधानमंत्री ने कहा कि आज के आयोजन में 8,000 से ज्यादा बेटियों को नियुक्ति पत्र मिले हैं। उन्होंने बताया कि पिछले 11 वर्षों में देश के कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी करीब दो गुनी हुई है और महिला स्वरोजगार की दर में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। उन्होंने स्टार्टअप्स और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम में महिला संस्थापकों और निदेशकों की बढ़ती संख्या को देश के लिए शुभ संकेत बताया।प्रधानमंत्री ने नवनियुक्त कर्मचारियों को नागरिक देवो भव का मंत्र देते हुए उन्हें अपने कार्यस्थल पर छोटे-छोटे सुधार करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को स्थानीय स्तर पर सरकारी कर्मचारी की नियत से ही ताकत मिलती है।उन्होंने युवाओं से आई-गॉड कर्मयोगी प्लेटफॉर्म का उपयोग कर खुद को लगातार अपग्रेड करने का आह्वान किया। मोदी ने अंत में विश्वास जताया कि इन्हीं युवाओं के माध्यम से 2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र बनेगा। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने भी युवाओं को संबोधित किया।

पंच परिवर्तन भारत की सांस्कृतिक जड़ों को सुरक्षित रखते हुए आगे बढ़ने का माध्यम : सुनील आंबेकर

जयपुर। कांस्टिट्यूशनल क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित समारोह में विकसित भारत : पंच परिवर्तन (एक महत्वपूर्ण पहल) पुस्तक का विमोचन कार्यक्रम हुआ।पुस्तक विमोचन अवसर पर मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि विकसित भारत : पंच परिवर्तन राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण वैचारिक कृति है। विकसित भारत की संकल्पना केवल आर्थिक समृद्धि तक सीमित नहीं हो सकती, बल्कि उसका वास्तविक अर्थ हमारी संस्कृति, सामाजिक चेतना, नागरिक मूल्यों और नैतिकता को सहेजने में निहित है।उन्होंने कहा कि पंच परिवर्तन आत्मनिर्भरता, सशक्त पारिवारिक कुटुंब प्रबोधन, तकनीकी विकास, नागरिक कर्तव्य और भारत की विशिष्ट पहचान अनेकता में एकता अर्थात समरसता इन सभी के माध्यम से भारत अपनी सांस्कृतिक जड़ों को सुरक्षित रखते हुए आगे बढ़ने का माध्यम है।उन्होंने पंच परिवर्तन को भारतीय संस्कृति के संरक्षण और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण आधार बताया और इसमें समाज के द्वारा व्यवहारिक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा हरियाणा प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि पंच परिवर्तन भारत को न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बनाएंगे, बल्कि उसे सांस्कृतिक और मानवीय मूल्यों के स्तर पर

भी विश्व में नेतृत्वकारी भूमिका प्रदान करेंगे। उन्होंने इस पुस्तक को विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में एक उपयोगी वैचारिक मार्गदर्शक बताया।विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रानू शर्मा ने पुस्तक विमोचन पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार की वैचारिक रचनाए नागरिक कर्तव्यों, सामाजिक अनुशासन और जिम्मेदार नागरिकता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

पुस्तक के संपादक डॉ. राजा भोज शर्मा ने कहा कि यह पुस्तक वर्षों के आत्मचिंतन, शैक्षणिक अनुभव और सामाजिक संवाद का परिणाम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि समरसता, सशक्त परिवार, स्वावलंबन, पर्यावरण चेतना और नागरिक कर्तव्य ये पंच परिवर्तन भारत को विकसित, संस्कारित और समरस राष्ट्र बनाने की आधारशिला हैं। कार्यक्रम में साहित्य, शिक्षा, प्रशासन, सामाजिक क्षेत्र से जुड़े प्रबुद्ध नागरिकों, युवाओं एवं बुद्धिजीवियों की उपस्थिति रही।

टीटीई ने दिखाई तत्परता, गर्भवती महिला को इलाज उपलब्ध कराया

आबूरोड। अजमेर मंडल के आबूरोड पर पदस्थ टीटीई (ट्रेन टिकट एग्जामिनर) ने

तत्परता दिखाते हुए चलती ट्रेन में लेबर पेन से पीड़ित एक गर्भवती महिला को तुरंत इलाज उपलब्ध कराने में मदद की। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक मिहिर देव ने टीटीई मुकेश कुमार यादव के कार्य की सराहना करते हुए बताया कि अजमेर मंडल के टीटी मुकेश कुमार यादव ने चलती ट्रेन में एक गर्भवती महिला को समय पर चिकित्सा सहायता और प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराकर सराहनीय कार्य किया। टीटीई यादव ने सुनिश्चित किया की महिला को यथाशीघ्र उपचार उपलब्ध हो और ट्रेन के वांछित स्टेशन तक पहुंचने तक महिला को प्रसव पीड़ा के दौरान सुरक्षित रखा।घटनाक्रम के अनुसार गाड़ी संख्या 16508 बेंगलूरु-जोधपुर एक्सप्रेस ट्रेन में दिनांक 23 जनवरी को बी-2 कोच में बर्थ संख्या 26 पर एक महिला ललिता देवी को लेबर पेन हुआ। जैसे ही ऑन ड्यूटी टीटीई मुकेश कुमार को इस संबंध में जानकारी प्राप्त हुई उन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत नियंत्रण कार्यालय में बात कर अगले स्टेशन जंवाई बांध पर एम्बुलेंस व स्ट्रैचर की व्यवस्था करवाई तथा साथ ही गाड़ी में यात्रा कर रही अन्य महिला यात्रियों की सहायता से महिला को मदद पहुंचाई। रेलवे द्वारा इस गाड़ी को प्राथमिकता देते हुए जवाई बांध स्टेशन पहुंचाया गया। महिला को तुरंत एम्बुलेंस में जंवाई बांध स्टेशन से हॉस्पिटल के लिए रवाना कर दिया गया। इस प्रकार टीटीई मुकेश कुमार यादव के इस तत्परतापूर्ण कार्य के परिणामस्वरूप ही समय पर मिली मदद से गर्भवती महिला को सुरक्षित रूप से अस्पताल पहुंचाया जा सका।मंडल रेल प्रबंधक राजू भूतड़ा ने टीटीई मुकेश कुमार के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्य रेल कर्मचारियों द्वारा यात्रियों की सहायता व सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

राजस्थान हाईकोर्ट में अब शनिवार को भी कामकाज, विरोध में वकीलों ने कार्य बहिष्कार किया

जयपुर। राजस्थान में शनिवार को राजस्थान उच्च न्यायालय में कामकाज लागू करने के फैसले के खिलाफ राज्यभर के वकीलों ने स्वैच्छिक कार्य बहिष्कार का ऐलान किया है।नई न्यायिक व्यवस्था के अनुसार अब शनिवार को भी हाईकोर्ट खुलेगा और न्यायाधीश नियमित रूप से बैठेंगे, लेकिन अधिवक्ता अदालत में पेश नहीं होंगे।राज्य बार परिषद और विभिन्न अधिवक्ता संघों ने इस निर्णय को वकीलों के हितों और व्यावहारिक परिस्थितियों के प्रतिकूल बताते हुए विरोध दर्ज कराया है।वकीलों का कहना है कि शनिवार को अदालतें खोलने से न्यायिक व्यवस्था में सुधार के बजाय अधिवक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ बढ़ेगा, जबकि पहले से ही मुकदमों का दबाव अत्यधिक है। इसके अलावा, कई अन्य न्यायिक और प्रशासनिक व्यवस्थाओं में शनिवार अवकाश का दिन माना जाता है, जिससे समन्वय में भी कठिनाइयां उत्पन्न होंगी।

अधिवक्ता संगठनों का तर्क है कि शनिवार को न्यायालय खोलने से न तो लंबित मामलों के निस्तारण में विशेष बढ़ोतरी होगी और न ही न्यायिक दक्षता पर कोई सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उनका कहना है कि मौजूदा संरचना में अतिरिक्त कामकाज से संसाधनों पर भार बढ़ेगा और न्याय व्यवस्था की गुणवत्ता पर असर पड़ेगा। वकीलों ने यह भी कहा कि किसी प्रकार का सुधार करना है, तो पहले मौजूदा दिनों में सुनवाई की क्षमता को बढ़ाया जाए, पीठों की संख्या बढ़ाई जाए और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में तेजी लाई जाए।शनिवार के कार्यदिवस के विरोध में वकीलों ने स्पष्ट किया है कि उनका यह बहिष्कार पूरी तरह स्वैच्छिक और शांतिपूर्ण है। वे न्यायपालिका का सम्मान करते हैं, लेकिन इस नीति को व्यावहारिक और न्यायसंगत नहीं मानते। इसलिए जब तक इस फैसले पर पुनर्विचार नहीं किया जाता, वकील शनिवार को अदालतों में पेश नहीं होंगे।

रामकथा जीवन जीने की पाठशाला -भजनलाल शर्मा

कोटा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रामकथा को जीवन जीने की पाठशाला बताया है और कहा है कि श्रीराम के आदर्शों को जीवन में आत्मसात कर हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रामराज्य की संकल्पना को साकार कर सकेंगे।शर्मा शनिवार को कोटा में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र शास्त्री के सान्निध्य में आयोजित रामकथा एवं गौ महोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि रामकथा केवल एक कथा नहीं, बल्कि जीवन जीने की पाठशाला है। यह हमें बेटे के धर्म, भाई के प्रेम, पति के समर्पण और राजा के कर्तव्य से अवगत कराती है।

मुख्यमत्री ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में नदियों, पहाड़ों, वृक्षों और गौ माता को पूजने की परम्परा है। उन्होंने कहा कि हम सब सौभाग्यशाली हैं कि हमें दिव्य रामकथा का श्रवण करने का अवसर मिल रहा है।उन्होंने कहा कि पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने अपनी सरल और प्रभावशाली वाणी से करोड़ों लोगों के जीवन में धर्म का दीपक जलाकर सनातन धर्म को सीधे लोगों के दिलों तक पहुंचाने का अद्भुत कार्य किया है। शास्त्री की वाणी में वह सहजता है जो आम आदमी को छू जाती है और वह युवा पीढ़ी को सनातन धर्म की महानता से परिचित करवा रहे हैं।इस दौरान पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने दुपट्टा ओढ़ाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा राज्यमंत्री हीरालाल नागर, विधायक कल्पना देवी सहित संत-महंत एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

जसप्रीत बुमराह के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 10 साल पूरे

नई दिल्ली। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शुक्रवार को क्रिकेट के सबसे ऊंचे लेवल पर एक दशक पूरा होने का जश्न मनाया, जिसमें उन्होंने एक जोशीले युवा फैन से खेल के सबसे असरदार गेंदबाजों में से एक बनने के अपने सफर के बारे में बताया।एक इंस्टाग्राम पोस्ट में, बुमराह ने लिखा कि उस बच्चे के सपने को जीने के 10 साल, जिसे उस खेल से प्यार हो गया जिसने उसे ऐसा महसूस कराया जैसा इस दुनिया में कुछ भी नहीं करा सकता। उन्होंने आगे कहा कि सोच और सोच के खिलाफ जाने का उनका सफर परिवार और विश्वास के सपोर्ट से जारी है।बुमराह ने जनवरी 2016 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था, जहां वह टी20 सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे। पिछले एक दशक में, दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने दुनिया भर के क्रिकेट के सभी फॉर्मेट में सबसे असरदार गेंदबाजों में से एक का नाम कमाया है।वह टेस्ट, वनडे और टी20 में आईसीसी मेन्स प्लेयर रैंकिंग में नंबर 1 रैंकिंग हासिल करने वाले पहले बॉलर हैं, और तीनों फॉर्मेट में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बॉलर हैं। बुमराह घरेलू क्रिकेट में गुजरात और इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस को रिप्रेजेंट करते हैं।भारतीय तेज गेंदबाजों में, वह सबसे तेज 200 टेस्ट विकेट और दूसरे सबसे तेज 100 वनडे विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 2024 टी20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई, जहां 4.17 की इकॉनमी रेट से 15 विकेट लेने के बाद उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया।बुमराह 2016 में एक कैलेंडर साल में टी20 में 28 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर भी थे। उन्होंने 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू किया और तब से लीडरशिप की जिम्मेदारी संभाली है, दिसंबर 2023 से भारत के टेस्ट वाइस-कैप्टन के तौर पर काम कर रहे हैं और रेगुलर कप्तान रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में तीन मौकों पर टीम को लीड किया है।उनके करियर की उपलब्धियों में 2018 और 2024 में आईसीसी मेन्स टेस्ट टीम ऑफ द ईयर, 2017 और 2018 में आईसीसी मेन्स वनडे टीम ऑफ द ईयर और 2024 में आईसीसी मेन्स टी20 टीम ऑफ द ईयर में चुना जाना शामिल है।उन्हें आईसीसी मेन्स टी20 टीम ऑफ द डिकेड (2011-2020) में भी चुना गया था, उन्होंने तीन बार पॉली उमरीगर अवॉर्ड जीता है और 2022 में विजडन के क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर में शामिल किया गया था।

अवकाश पर घर आ रहे अग्निवीर पुष्पेंद्र का शव मिला

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर के चिकसाना थाना क्षेत्र में 22 वर्षीय अग्निवीर सैनिक का शव मिलने से सनसनी फैल गई।पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि पीपला गांव के पास सड़क किनारे मिले पुष्पेन्द्र नामक अग्निवीर सैनिक का शव आरबीएम अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है, जहां पोस्टमार्टम किया जा रहा है।सूत्रों ने बताया कि करीब दो वर्ष पहले ही पुष्पेंद्र अग्निवीर सेना में भर्ती हुआ था। वह छुट्टी लेकर गुरुवार को भरतपुर आया था और पैदल ही अपने गांव जा रहा था।अपने घर पहुंचने से पहले ही गांव से करीब तीन किलोमीटर पहले उसकी अज्ञात कारण से मौत हो गई और उसका शव सडक किनारे मिला। सूत्रों ने बताया कि अग्निवीर पुष्पेंद्र संभवतः सडक दुर्घटना का शिकार हो गया।

अलवर में नाबालिग से रेप के दोषी को आजीवन कारावास

अलवर। राजस्थान में अलवर के यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम मामलों के विशेष न्यायालय ने एक किशोरी से दुष्कर्म करने के आरोपी को शुक्रवार को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।विशेष न्यायाधीश जगेंद्र अग्रवाल ने अभियुक्त संजय को नाबालिग से दुष्कर्म करने का दोषी मानते हुए उस पर जुमार्ना भी किया। मामले के अनुसार अलवर के खेड़ली थाना क्षेत्र में 20 जुलाई 2024 को अभियुक्त संजय नाबालिग को तीन अन्य साथियों के साथ चौपहिया वाहन में जबरन उत्तर प्रदेश ले गया और उससे दुष्कर्म किया।

मण्डावर-काछबली में विराट हिन्दू सम्मेलन, दो दिशाओं से निकली भव्य कलश यात्रा

गगनभेदी जयकारों के साथ गांव गूंजा, पुष्पवर्षा से स्वागत

भीम। मण्डावर-काछबली क्षेत्र में आयोजित विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन वीर हामाजी चौहान स्टेडियम वेर का चौड़ा काछबली में भव्य रूप से संपन्न हुआ। सम्मेलन में मुख्य वक्ता पृथ्वी सिंह भोजपुरा ने शिरकत की संत राजनाथ योगी एवं रामनाथ योगी, मातृशक्ति प्रियंका चौहान, फतहचन्द श्यामसुखा, विक्रांत सिंह, जितेंद्र योगी का सान्निध्य मिला।मुख्य वक्ता पृथ्वी सिंह भोजपुरा ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मगरा भूमि पराक्रम और शौर्य की धरती है तथा मण्डावर-काछबली क्षेत्र का अपना विशेष महत्व है। उन्होंने गोरम घाट, काजलवास एवं केरुण्डा की तपोभूमि की महत्ता बताते हुए कहा कि यह क्षेत्र सांस्कृतिक व धार्मिक दृष्टि से अमूल्य है।उन्होंने मगरा क्षेत्र में हिंदुत्व की जागृति को सराहनीय बताया। वहीं राजनाथ योगी ने अपने संबोधन में कहा कि धर्म के प्रति समर्पण, त्याग और संस्कार ही समाज तथा विश्व के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करते हैं। रामनाथ वन ने अपने उद्बोधन में बताया कि हिंदुत्व और हिंदू इस देश की परम आवश्यकता है । इसके लिए हम सबको संगठित रहकर इसके लिए काम करना पड़ेगा तथा इसकी जागृति हर घर और परिवार से जगानी पड़ेगी।इससे पहले स्वागत व परिचय उदबोधन पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी मोहन सिंह चौहान ने दिया तथा आभार वीरम सिंह चौहान ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन संयोजक मिठू सिंह चौहान ने किया।

दो दिशाओं से निकली कलश यात्रा, स्टेडियम में समागम

हिन्दू सम्मेलन मीडिया प्रमुख जसवन्त सिंह मण्डावर ने बताया की आयोजन को लेकर विशाल कलश यात्रा का आयोजन किया गया, जो दो दिशाओं से निकाली गई। पहली कलश यात्रा मण्डावर पंचायत मुख्यालय जलेश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर मालातों की गुआर, डूंगातों की गुआर, कनियातों की गुआर, चतरपुरा होते हुए आयोजन स्थल पहुंची। दूसरी कलश यात्रा मेडिया से प्रारंभ होकर चौड़ा, नयाघर, देवचौड़ा, पंचायत मुख्यालय काछबली, खेरावड़ी मार्ग से होते हुए सम्मेलन स्थल पहुंची। कलश यात्रा का ग्रामवासियों द्वारा जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। गगनचुंबी जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा और वातावरण पूरी तरह धर्ममय बन गया।सम्मेलन में भंवर सिंह, हजारी सिंह, रूप सिंह, सुरेंद्र सिंह, रणजीत सिंह, सेसू राम सालवी, मण्डावर प्रशासक प्यारी कुमारी चौहान, काछबली प्रशासक आशा देवी, हीराकंवर, लक्ष्मी देवी, लोकेंद्र सिंह, चुन्ना सिंह, दिनेश सिंह, ज्ञान सिंह, गणपत सिंह, भंवर सिंह, हिम्मत सिंह, नारायण सिंह, देवी कुमारी रैगर, पप्पू नाथ कालबेलिया, रमेश मुथा, वीरेंद्र सिंह, अनोप सिंह, मूल सिंह, पूरन सिंह, सुभाष सिंह, महेंद्र सिंह, मोहन सिंह, घनश्याम सिंह, मदन सिंह, जालम सिंह, लाखन सिंह, देवेंद्र नाथ रावल, अर्जुन सिंह, गोविंद सिंह, जितेंद्र सिंह, शैतान सिंह, ललित किशोर सिंह, सोहन सिंह, चंचल भंडारी, बुद्धा सिंह, हेम सिंह, रूपाराम, श्रवण सिंह, इंद्र सिंह, खंगार सिंह, विक्रम सिंह, छगन चावला, चेन सिंह, कैलाश सिंह, चेतन सिंह, मुकेश सिंह, अंकित सिंह, गोपाल सिंह, रमेश सिंह, नरेंद्र सिंह, राजू सिंह, गीता सालवी, मांगू सिंह, प्रह्लाद नाथ, पन्ना सिंह सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

तापसी पन्नू की फिल्म 'अस्सी' का मोशन पोस्टर रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू की आने वाली फिल्म 'अस्सी' का मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है। फिल्मकार अनुभव सिन्हा की फिल्म अस्सी एक ऐसा सवाल उठाती है, जो हर दिन हमारे सामने होता है, लेकिन जिसे हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं। मोशन पोस्टर के जरिए जैसे-जैसे फिल्म से जुड़ी और जानकारी सामने आ रही है, वैसे-वैसे इसके इरादे पूरी तरह स्पष्ट होते जा रहे हैं।टी-सीरीज, अपनी विविधतापूर्ण फिल्मोग्राफी में अस्सी के जरिए एक नया रंग जोड़ता है। बनारस मीडिया वर्क्स के प्रोडक्शन में बनी इस फिल्म में तापसी पन्नू मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। उनके साथ फिल्म में कनी कुसरुति, रेवती, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा, जीशान अय्यूब अहम भूमिकाओं में हैं, जबकि नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक और सीमा भार्गव विशेष भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

Appeal to University Youth: The Nation Gives Us Everything- Let Us Also Give Something Back : Dr Ashok Kalwar

Special Lecture on the Sense of Duty at Maharshi Dayanand Saraswati University

Ajmer. In the hallowed halls of Maharshi Dayanand Saraswati University, the university unit of the All India National Educational Federation organized a stirring lecture on the profound theme of kartavya bodh—the inner call to duty. The gathering drew the Vice-Chancellor, Prof. Suresh Kumar Agarwal; the chief speaker, Dr. Ashok Kalwar, member of the Rajasthan Public Service Commission; alongside university administrators, esteemed faculty, and eager students.Dr. Ashok Kalwar, the principal orator, wove a tapestry of India's luminous history, illuminating the unyielding duty-bound lives of its greatest souls. He recounted Chanakya's scholarly sojourn at Takshashila, rising to shield the realm from Alexander's invasion; Lord Rama's selfless labors for society's upliftment amid fourteen years of forest exile. Declaring the Bhagavad Gita of the Mahabharata as duty's supreme emblem, he evoked how Lord Krishna, across eighteen divine chapters, guided Arjuna back to the path of righteousness.Bhishma Pitamah's unbreakable vows and Vidura's timeless wisdom stood as pinnacles of steadfast devotion. With vivid eloquence, he narrated the sacrifices of Chhatrapati Shivaji Maharaj, Maharana Pratap, Guru Govind Singh, Prithviraj Chauhan, and Subhas Chandra Bose—towers of valor and loyalty. Guru Teg Bahadur's ultimate martyrdom, alongside his sons' heroic falls, emerged as the highest offering to faith and culture's preservation. Turning to Pandit Madan Mohan Malaviya, he marveled at how this visionary begged alms to birth the grand edifice of Kashi University.Addressing teachers and students with fervent appeal, Dr. Kalwar urged educators: your duty transcends the classroom lecture—it forges character and builds the nation. To grasp students' trials and mend them is the true teacher's sacred charge. To the youth, he proclaimed: bookish lore alone suffices not. Embrace research and innovation to propel the motherland's ascent. He shared the odyssey of an MBBS scholar who, through relentless inquiry into cancer and blood groups, birthed ten published papers.

वन्दे मातरम् का सामूहिक वाचन

सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती पर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड कार्यालय में संगोष्ठी

अजमेर। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के रचनाकाल के 150 साल पूरे होने उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों के द्वितीय चरण के अंतर्गत शुक्रवार को राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड कार्यालय में वन्दे मातरम् के वाचन के साथ नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती मनाई गई। उनकी जयन्ती के अवसर पर संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में बोर्ड के अधिकारी तथा कर्मचारियों के साथ विद्या भारती संस्थान के शिक्षाविद् भूपेन्द्र उबाना ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि भूपेन्द्र उबाना ने कहा कि सुभाष चन्द्र बोस भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के महान नेता थे। वह अपनी क्रान्तिकारी विचारधारा तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा के लिए पूरे विश्व में विख्यात हैं। उनका यह नारा आज भी युवाओं में जोश भरने के लिए काफी है। उन्होंने बताया कि सुभाष चन्द्र बोस ने अपने दम पर अपनी प्रतिभा का लोहा पूरे विश्व में मनवाया था।उबाना ने कहा कि बसंत पंचमी के पावन पर्व पर माता सरस्वती की पूजा की जाती है। सरस्वती केवल विद्या की देवी नहीं बल्कि विवेक, संयम और संतुलन की भी अधिष्ठात्री है। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं से आहवान किया कि भारत के प्रत्येक जन को एक विकसित भारत का स्वप्न देखना चाहिए। गुलामी की मानसिकता के प्रतीक चिन्हों को विध्वंस करते हुए अपनी विरासत पर गर्व करने की आवश्यकता है। उबाना ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को स्वयं का बोध आत्म निरीक्षण करते हुए करना चाहिए। उसके मन में नागरिक कर्तव्य भावना का बोध भी होना वांछनीय है।इस कार्यक्रम के संयोजक तथा सहायक निदेशक राजीव चतुर्वेदी ने कहा कि सुभाष चन्द्र बोस का जन्म दिवस पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उन्हें नेताजी की दी गई उपाधि उनके सम्मान व नेतृत्व का दशार्ता है। सुभाष चन्द्र बोस श्रीमद् भागवत गीता की गहराई से सदैव प्रेरित रहे थे। उनकी विचार धारा आज भी प्रासंगिक है।उनके स्वतन्त्रता, समानता व राष्ट्रभक्ति के लिए किए गए संघर्ष को भूलाया नहीं जा सकता है। उनकी आजाद हिन्द फौज का उद्देश्य भारत को ब्रिटिश राज से मुक्त कराना था। वे राष्ट्रवाद को मानव जाति के उच्चतम आदर्शों से प्रेरित मानते थे। इस अवसर पर निदेशक शैक्षिक दर्शना शर्मा ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद आभार ज्ञापित किया।इस अवसर पर मुख्य नियंत्रक परीक्षा राजेश निर्वाण, निदेशक प्रशासन राजेन्द्र प्रसाद पारीक, निदेशक गोपनीय गीता पलासिया, सहायक निदेशक अरूण कुमार जोशी सहित समस्त बोर्ड अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद

नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती पर निकाली विशाल दोपहिया वाहन रैली

अजमेर। राष्ट्रीय सिन्धी भाषा विकास परिषद एवं शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से महान क्रांतिकारी हेमू कालाणी के बलिदान दिवस पर बुधवार को संगोष्ठी तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में शुक्रवार को शहर में भव्य दोपहिया वाहन रैली का आयोजन किया गया।रैली में युवाओं, समाजसेवियों एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रप्रेम के संदेश के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी रहे साथ ही अतिरिक्त कलक्टर ज्योति ककवानी, प्रकाश टहलियानी, राजा डी. थारवानी, शिक्षाविद् लता अखानी, मनीष देवनानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

कार्यक्रम संयोजक घनश्याम ठारवानी ने बताया कि संतों द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात सैकड़ों दोपहिया वाहनों के काफिले ने शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए राष्ट्रभक्ति, बलिदान और एकता का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। वहीं विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों द्वारा रैली का स्वागत किया गया।विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि हेमू कालाणी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे महान क्रांतिकारियों ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया और उनका जीवन आज की पीढ़ी के लिए राष्ट्रसेवा, साहस और आत्मबलिदान का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि ?से आयोजनों के माध्यम से युवाओं में देशभक्ति की भावना सुदृढ़ होती है और शहीदों के प्रति यह सच्ची श्रद्धांजलि है कि हम उनके सपनों का भारत बनाने के लिए निरंतर कार्य करें।इस अवसर पर पार्षद रमेश चलानी ने आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सिन्धी भाषा विकास परिषद के महासचिव घनश्याम ठारवानी भगत ने किया। कार्यक्रम में जितेन्द्र रंगवानी, अशोक मंगलानी, आत्मप्रकाश उदासी, दीपक निहालानी, किशोर विधानी, नितेश भाटिया, ललित देवानी, घनश्याम गुवालानी, भीष्म बदलानी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, युवा एवं समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अजमेर के वरूण सागर पर एनडीआरएफ की मॉक ड्रिल

अजमेर। एनडीआरएफ एवं अन्य एजेंसियों के साथ राष्ट्रीय स्तर की संयुक्त मॉक ड्रिल कोआर्डिनेशन एंड पार्टिसिपेशन ऑफ स्टेकहोल्डर्स डूरिंग एनडीआरफ एनुअल मोबिलाइजेशन एक्सरसाइज शुक्रवार को अजमेर में वरूण सागर पर आयोजित की गई। मॉक ड्रिल में एनडीआरएफ के साथ नागरिक सुरक्षा, एसडीआरएफ, अग्निशमन, चिकित्सा विभाग, पुलिस एवं आपदा मित्र शामिल रहे।मॉक ड्रिल वास्तवित आपदा के समय सभी संबंधित एजेंसियों के रिस्पोंस टाईम को परखने के लिए की गई। इसमें जिला ईओसी कन्ट्रोल रूम को सुबह 8.40 पर सूचना मिलने पर सभी को चेतावनी संदेश प्रसारित किया गया। सभी टीमों का अपने-अपने कार्यस्थल से वास्तविक सूचना प्राप्त होने पर घटनास्थल पर पहुंचने का समय नोट किया गया।

मॉक ड्रिल में अत्यधिक वर्षा के कारण जल भराव के चलते वरूण सागर में अधिक पानी आ जाने के कारण कुछ नागरिकों के फंसे होने की सूचना प्राप्त होने पर एनडीआरएफ, नागरिक सुरक्षा एवं एसडीआरएफ ने संयुक्त बचाव अभियान चलाकर सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। इसमें प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता नागरिक सुरक्षा दल ने तुरंत मौके पर पहुंचकर एक डूबते व्यक्ति को बाहर निकाला। इसके तुरंत बाद गहरे पानी में 3 अलग-अलग स्थानों पर फंसे व्यक्तियों को एसडीआरएफ की टीम ने नाव से रेस्क्यू किया।अधिक गहरे पानी में दूरी पर फंसे व्यक्यिों को एनडीआरएफ की टीमों ने अपनी दो नावों एवं अन्य उन्नत बचाव उपकरणों के जरिए बचाकर सुरक्षित निकाला। तत्पश्चात सभी हताहतों का मेडीकल टीम द्वारा उपचार किया गया। पास ही क्षतिग्रस्त हुए भवन से एनडीआरएफ टीम द्वारा कटर आदि उपकरणों का प्रयोग करते हुए फंसे व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रदर्शन किया गया।मॉक ड्रिल के तहत अन्त में सभी दलों द्वारा उपखण्ड अधिकारी गरिमा नरूला को बचाव कार्यों की रिपोर्टिंग की गई। उनके द्वारा घटना की समीक्षा उपरान्त ऑपरेशन पूर्ण होने की घोषणा की गई।

गुजराती स्कूल में हवन कर बोर्ड परीक्षा में शामिल हो रहे विद्यार्थियों को दी विदाई

अजमेर। गुजराती सीनियर सैकंडरी स्कूल में कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं का विदाई समारोह गुरुवार को विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारियों के सान्निध्य में मनाया गया।समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन व दीप प्रज्वलन कर किया गया। विदाई समारोह पर विधि विधान से हवन कर बोर्ड परीक्षा में शत प्रतिशत सफलता प्राप्त करने की कामना की गई। विद्यालय प्रबंध समिति के सचिव राजेश अंबानी ने सपत्नीक हवन की पूणार्हुति दी। कक्षा 12वीं की छात्रा वंशिका व कक्षा 11वीं के छात्र अजयराज ने विद्यालय जीवन के बारे में अपने अनुभव बताए।इस मौके पर विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारी, श्री गुजराती महामंडल ट्रस्टी अध्यक्ष चन्द्रकांत पटेल, श्री गुजराती महामंडल के अध्यक्ष नितिन कुमार मेहता, कोषाध्यक्ष अतुल मेहता, ट्रस्टी मुकेश पटेल, ट्रस्टी सचिव एवं विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष केएल शर्मा, उपाध्यक्ष तुषाल पंचाल, ट्रस्टी रमेश सोनी, गिरीश सोनी, अनिल पटेल, विद्यालय स्टाफ ने विद्यार्थियों को तिलक लगाकर एवं पुष्पवर्षा कर आशीर्वाद दियाप्रधानाचार्या सुनीता शर्मा ने बोर्ड परीक्षा में बैठने वाले विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें उत्तम अंक प्राप्त करने के टिप्स साझा किए साथ ही सभी को शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

पंचशील नगर में विराट हिन्दू सम्मेलन से पूर्व निकलेगी वाहन रैली

अजमेर। सकल हिन्दू समाज के तत्वावधान में 1 फरवरी को पंचशील नगर में विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन होगा।आयोजन समिति के अशोक टेवानी ने बताया कि सम्मेलन से पूर्व विशालल वाहन रैली निकाली जाएगी। यह रैली दोपहर 2 बजे चन्द्रेश्वर महादेव मंदिर चंद्रप्रभु नगर से आरंभ होकर भैरूवाडा, गणेश गुवाडी होते हुए हिन्दू सम्मेलन स्थल गोपाल कृष्ण उद्यान पहुंचेगी।

रैली में केसरिया दुपट्टा और केसरिया साफा पहने युवा आकर्षण का केन्द्र रहेंगे।इसी क्रम में महापुरुष बनो प्रतियोगिता में 14 साल तक की आयु के बच्चे भाग ले सकेंगे। मातृशक्ति के लिए सनातन प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम रहेगा। प्रत्येक प्रतिभागी को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा।हिन्दू सम्मेलन के लिए बाला मेवाडा, विष्णु सिंह राठौड, अंकुर माथुर, ब्रिजेश शर्मा समेत अनेक कार्यकर्ता जनसंपर्क में जुटे हुए हैं तथा समस्त सनातन प्रेमी बंधुओं से परिवार सहित अधिक से अधिक संख्या में विराट हिन्दू सम्मेलन में पधारने का आग्रह कर रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजय सिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड से मुद्रित करवाकर कार्यालय 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। सम्पादक- विजय सिंह मो. 9887907277 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अजमेर रहेगा)